राजस्य विकास युद्ध जागीर मुद्धि पव

विनोक 1**७ म**प्रेल, 1978

अश्रीक 553-अ((I)-78/18427.—हरियाणा सरकार, राजस्व विभाग द्वारा जारी की गई मधिसूचता कर्माण 3099-जं(II)-77/3242, दिनोच 1 फरवरी, 1978 (जो कि हरियाणा सरकार के राजपत्र, दिनांक 14 फरवरी, 1978 में प्रकाशित हुई है) के क्रमंक संख्या 1 के कालम 4 में गांव का नाम दमदम की बजाये दमदमा पढ़ा जाए।

कराव 429-ल (II)-78/10132.-- पूर्वे विश्व वृद्ध पुरस्हार प्रवितियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा साज्य में अपनाया गया है और उस में आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2 (ए) (ए) तथा 3 (ए) के अनुसार सींपे गये अधिकारों का प्रयोग करने हुए हरियाणा के राज्यपाल निम्नलिखित व्यक्तियों को वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर उनके सामने दी गई फसल सथा राशि एवं सनद में दी गई भन्ती के अनुसार सहयं प्रदान करते हैं :---

क्रमांक	विला	जागीर <b>पाने वा</b> ले का वाम	गांव व पता	वहसील	क्रसल/क्षे जब से आगीर दी गई	राषिक राशि
1	2	3	4	5	6	7
					<del></del>	रुपये
1	गृङ्गांवा	श्रीमती कड़ीया देवी, विषवा श्री मोहर सिंह	•	<b>गुड़गोब</b> ा	रबी, 1976 से	159
2	tı	श्रीमती भगवानी देवी, विश्ववा श्री शेर सिंह	फरुख नगर	11	<b>बरी</b> क़, 1965 से रबी, 1970 तक <b>ब</b> रीक़, 1970 से	1 <del>0</del> 0
3	**	श्रीमती भोगड़ी देवी, विषया भी कन्ह्या लाल	<b>हालियाकी</b>	29	चरीक, 1965 से रवी, 1970 तक चरीक, 1970 से	
4	**	श्री धर्मी चन्द्र, पुत्र श्री लखी सिंह	धामडोज	**	<b>बरी</b> फ, 1976	

कमांक 527-व(1) 78/10 135. -- नूर्वी रंबाव पूढ पुरस्तार प्रक्षितियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है भीर उस में भ्राज तक संशोधन किया गया है) की धरच 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सींपे गये प्रक्षिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल निम्निसिखत व्यक्तियों को वार्षिक कीमत वाली युद्ध असीर उनके सामने भी गई फसल तथा राशि एवं सनद में दी गई मतों के अनुसार सहुर्ष प्रदान करते हैं:--

क्रमांच	विसा	आगीर पाने वाले का माम	गावि व पसा	तहसील	फसम/ <b>रचे जब</b> से अप्यीर दी गई	वासिक राशि
1	2	3	4	8	6	7
<del></del>		* 4		ومتهدمته ومنهم وماهدون هدر عبر وماهد	باد ژبی پوښت یې پوښت یې په پېښتانداوي پيښاوي	<b>६</b> ९व
1	श्रम्बाक्षा	श्री इश्यनी राम, पुत श्री नानू	नमदारपुर	जगावरी	रबी, 1973 से	150

क्रमांक	বিলা	जागीर पाने वाले का नाम	गांव ब पता	त्रहसील	फ़सल/वर्ष जब से जागीर दी गई	वाषिक राशि
1	2	3	4	5	6	7
2	भ्रम्बाला	श्री गुलतान सिंह, पुन श्री जैमल सिंह	तलहेडी गुजरान	ग्रम्बाला	रबी, 1973 से	रुपये 1 6 0
3	n	श्री साधू सिंह, पुत्र श्री हीरा सिंह	रामगढ़	नारायणगढ्	र <b>बी, 1973</b> से	150
4	n	श्री ज्ञान सिंह, पुत्र श्री नानक सिंह	नसरौली	,,	रबी, 1973 से	150
5	11	श्री बरयाम सिंह, पुत्र श्री नानक सिंह	खानपुर लुबाना	. <b>1</b>	र <b>बी</b> , 1973 से	150

## दिनांक 11 अप्रैल, 1978

क्मांक 431-ज(II)-78/10596.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार प्रधिनियम, 1948 (जैस कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उस में आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1) तथा 3(1) के प्रनुसार सौपे गय प्रधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्रीमती अनोखी देवी, विधवा श्री धान सिंह, गांव भोडसी, तहसील व जिला गुड़गावां, को रेबी, 1976 से 200 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्ती के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

क्रमांक 433-क(II)-78/10600. पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार श्रिधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में प्रपाया गया है श्रीर उस में भाज सक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(१ए) तथा 3(१ए) के अनुसार सींपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्रीमती मिश्री देवी, विधवा श्री हीरा लाल, गांव पंचगावा, तहसील व जिला गुड़गावा, को रबी, 1977 से 150 रुपये वाजिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्षे प्रदान करते हैं।

क्रमांक 567-ज(II)-78/10604.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार ग्रिधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उस में आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के श्रनुसार सौंपे गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री रचुबीर सिंह, पुत्र श्री तेज सिंह, गांव मन्दपुरा, तहसील व बिला गुड़ गांबी, को रबी, 1973 से 150 रुपए वार्षिक कीमत. वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शतों के धनुतार सहवे प्रदान करते हैं।

क्रमांक 432-ज(II)-78/10608.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में भपनाया गया है भीर उसमें भाज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1) तथा 3(1) के भनुसार सौंपे गये भिक्षकारों का प्रवेग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्रीमती सुरजी बाई, विधवा श्री छोटन सिंह, गांव नरहेड़ा, सहसील व बिला गुड़गावी, को खरीफ, 1975 से 150 एपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई मतीं के भनुसार सहर्थ प्रदान करते हैं।

क्रमांक 555-ज(I)-78/10615.—हरियाणा सरकार, राजस्व विभाग, की युद्ध जाणीर ग्रविसूचना क्रमांक 41-ज (I)-78/4313, दिनांक 10 फ़रवरी, 1978, जो कि हरियाणा राजपत्र दिनांक 21 फरवरी, 1978 में मुद्रित की गई है, की तीसरी लाईन में गांव का नाम "कांवना" की बजाए "कांवला" पढ़ा जाये।

मार० एन० सिगल,

विश्रेष कार्य श्रष्ठिकारी, हरियाणा सरकार, राजस्व विभाग।